कहाणग - अदुगा

संकलित पाठो का सारांश एवं संक्षिप्त समीक्षा
(1) शब्दाल पुत्र कुम्भकार

कथानक :—

पोलासपुर नाम के नगर में एक समृद्ध कुम्भकार (कुम्हार) निवास करता था. उसका नाम सद्दालपुत्र था। वह नगर के सर्वश्रेष्ठ व्यापारियो में अग्रगण्य था। नगर एवं नगर के आसपास उसकी मिट्टी के बर्तनो की ५०० दुकानें थीं जिनके संचालन के लिए उसने अनेक वेतन-भोगी पुरुषों की नियुक्तियाँ की थीं। उस सद्दालपुत्र की समृद्धि का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि उसके पास एक करोड़ स्वर्ण के सिक्के उसके कोषागार में जमा थे, एक करोड़ स्वर्ण के सिक्के व्यापार में लगे थे तथा एक करोड़ स्वर्ण के सिक्के साहूकारी तथा ऋण आदि के देने के लिए सुरक्षित थे। इसी प्रकार उसके पास उत्तम कोटी की ४० हजार गाएँ थीं।

वह सद्दालपुत्र मक्खलिपुत्र-गोशाल के उपदेश से प्रभावित होकर आजीविक-सम्प्रदाय का अनुयायी बन गया था और वह मानता था कि संसार के सभी पदार्थ नियत हैं उनके निर्माण के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता नहीं।

एक दिन वह अपनी अशोक-वाटिका में अपने गुरु मक्खलिपुत्र-गोशाल द्वारा दिए गए आजीविक-धर्म के सिद्धान्तों पर विचार कर रहा था कि उसी समय एक देव वहाँ आया और उसने सूचना दी की यहाँ के सहस्राम्रवन में कल भगवान महावीर पधारेंगे सद्दालपुत्र ने उनके आगमन का समाचार पाकर प्रसन्नता व्यक्त की और स्नान-ध्यान कर शुद्ध वस्त्र पहिनकर रथ में सवार हुआ और नगर के राजमार्ग से चलकर सहस्राम्रवन पहुँच गया। वहाँ महावीर को नमस्कार कर उसने उनके धर्मोपदेश को सुना और वह उनसे ५ अणुव्रतों का निर्दोष पालन करने की प्रतिज्ञा लेकर घर लौटा। आते ही उसने अपनी पत्नी अग्निमित्रा को

भी उनके दर्शनों के लिए भेजा। वह भी व्रत धारण कर
प्रसन्न पूर्वक वहाँ से लौटी।

एक दिन सद्दालपुत्त ने भगवान महावीर
से निवेदन किया कि यदि वे पोलासपुर नगर के बाहर की
उसकी दुकानों की ओर पधारें तो उस पर बड़ी कृपा
होगी। महावीर अनुग्रहादि के निमित्त जब वहाँ पहुँचे तो
सद्दालपुत्त को बड़ी प्रसन्नता हुई। उसने उन्हें आसन
का दान दिया। उसी समय धूप में सूखते हुए मिट्टी
के कच्चे बर्तनों को देखकर महावीर ने पूछा —
महावीर — ये मिट्टी के बर्तन कैसे बने हुए हैं?

सद्दालपुत्त — पहले तो यह सामान्य मिट्टी थी, बाद
में उसमें पानी के साथ लीद एवं गोबर सानकर उसे चाक
पर चढ़ाया और तब विभिन्न आकार वाले बर्तनों को
बना दिया गया।
महावीर — ये बर्तन क्या उत्थान अथवा पुरुषाकार-
पराक्रम से बने हैं, अथवा अनुत्थान या अपुरुषाकार-
पराक्रम से?
सद्दालपुत्त — इसमें उत्थान या पुरुषाकार-पराक्रम
की क्या आवश्यकता? ये तो अनुत्थान एवं अपुरुषा-
कार-पराक्रम से बने हैं। क्योंकि संसार के सभी
पदार्थ पहले से ही नियत हैं।
महावीर — अच्छा सद्दालपुत्त, तुम यह बताओ कि
यदि कोई तुम्हारे इन बर्तनों को तोड़-फोड़ दे, तब
तुम उसका क्या करोगे?
सद्दालपुत्त — भगवान, मैं उस तोड़-फोड़ करने
वाले को मारूँगा या जुर्माना कर ~~दूँगा~~ दूँगा।
महावीर — जब तुम नियतिवादी हो तथा पुरुषा-
कार-पराक्रम को नहीं मानते, तब तुम नुकसान करने
वाले को क्यों मारोगे? यदि मारोगे, तब फिर तुम्हारा
नियतिवाद (—जो जैसा होना है, वह होकर रहेगा ही,
मनुष्य उस होनहार को रोक नहीं सकता) यह सिद्धान्त झूठा पड़
जाएगा।

सद्दालपुत्त के पास महावीर के इस तर्क का कोई उत्तर नहीं था।
इसने महावीर से अनेक प्रश्न किए जिनका उत्तर उन्होंने
बहुत ही सीधी सादी सरल भाषा में दिया और वह उनके
उपदेश से इतना प्रभावित हुआ कि मक्खलिपुत्त-गोशाल
के आजीविक (नियतिवाद) के सिद्धान्त को छोड़कर वह
महावीर का अनुयायी बन गया। वह महावीर को महा-
माहण, महागोप, महासार्थवाह, महाधर्मोपदेशक एवं
महानिर्यामक, मान कर उनके गुणों की पूजा करने लगा
और कठोर साधना कर अरुणभूत नाम के विमान
में देव हुआ।

सरकारी अस्पताल जाओगे तो
जान से हाथ धो लोगे
प्राईवेट अस्पताल जाओगे तो
जायजाद से हाथ धो लोगे
इसलिए घर में रहकर अपने
हाथ धोते रहो..!

ॐ शांति 😞😞 8:48 am

ओ धतूरे के बीज ये invitation है
8:49 am

ओह तेरी। Sorry भाई। 8:49 am

बहुत हुआ भगवान अब तो रहम करो
इन बच्चियों पर भी दया नहीं आई
पिता के वगैर कैसे रह पायेगीं ये 😭😭
ईश्वर रोहित जी के आत्मा को शांति दे
🙏 ॐ शांति 🙏

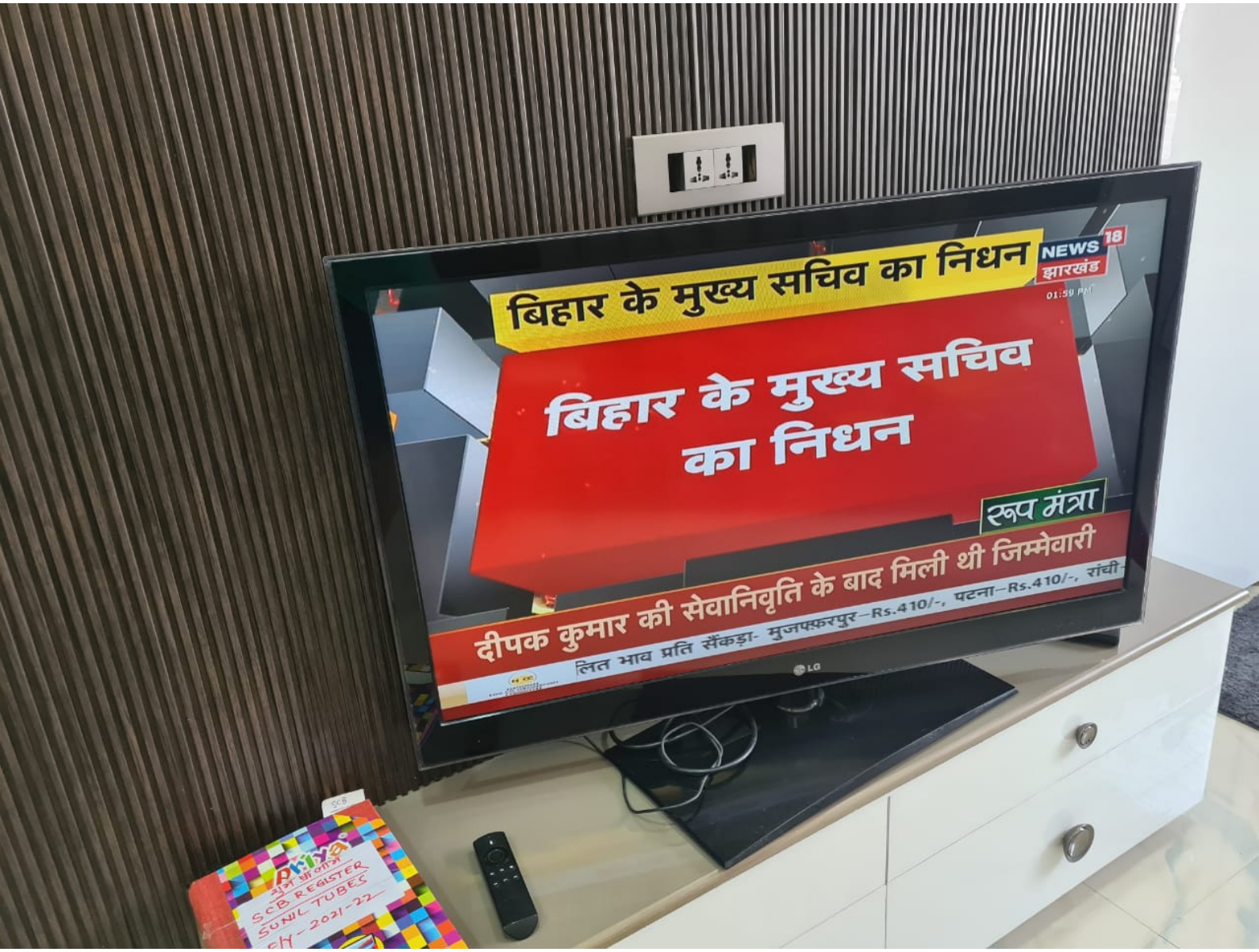

बिहार के मुख्य सचिव का निधन
NEWS 18
झारखंड
01:59 PM
बिहार के मुख्य सचिव का निधन
रूप मंत्रा
दीपक कुमार की सेवानिवृति के बाद मिली थी जिम्मेवारी
लित भाव प्रति सैंकड़ा- मुजफ्फरपुर–Rs.410/-, पटना–Rs.410/-, रांची-
LG
SCB REGISTER
SUNIL TUBES

GOVERNOR'S SECRETARIAT, BIHAR

RAJ BHAVAN, PATNA-800022

Letter No. BSU-01/2013- /GS(I), Dated-

From,

Raj Kumar Sinha, I. A. S.
Joint Secretary

To,

The Vice Chancellors
All the Universities of Bihar
(Except BAU, Sabour & BASU, Patna)

Sub.- Pre- poning the summer vacation from the month of June to the month of May, 2021 keeping in view of surge of second wave of COVID-19 pandemic in the State.

Sir,

In continuation of this Secretariat letter no.- BSU-01/2013-2580/GS(I), Dated- 23.03.2020 and on the subject cited above the Hon'ble Chancellor after due consideration of the proposal received from the Vice-Chancellors of Universities of Bihar has been pleased to order to declare the summer vacation in the Universities and Colleges from **01.05.2021 (Saturday) to 31.05.2021 (Monday) instead of 01.06.2021 to 30.06.2021** with a condition that if any examination scheduled to be held in the Universities and Colleges of Bihar has not been conducted so far, it shall strictly be concluded within the period from 01.06.2021 to 15.06.2021.

Please issue notification accordingly.

Yours faithfully,
Sd/-
(Raj Kumar Sinha)
Joint Secretary

Memo No.- BSU-01/2013- **664**/GS(I), Dated- **30.04.2021**

Copy forwarded to-

(1) The Principal Secretary, Department of Education, Bihar, Patna.

(2) PS to Governor / PS to Secretary / PRO / Protocol Officer / PSG .

(3) T.D., NIC for uploading on the Website of Raj Bhavan, Patna.

For information and necessary action.

30/4/21

(Raj Kumar Sinha)
Joint Secretary

Summer Vacation PDF

GOVERNOR'S SECRETARIAT, BIHAR

RAJ BHAVAN, PATNA-800022

Letter No. BSU-01/2013- /GS(I), Dated-

From,

Raj Kumar Sinha, I. A. S.
Joint Secretary

To,

The Vice Chancellors
All the Universities of Bihar
(Except BAU, Sabour & BASU, Patna)

Sub.- Pre- poning the summer vacation from the month of June to the month of May, 2021 keeping in view of surge of second wave of COVID-19 pandemic in the State.

Sir,

In continuation of this Secretariat letter no.- BSU-01/2013-2580/GS(I), Dated- 23.03.2020 and on the subject cited above the Hon'ble Chancellor after due consideration of the proposal received from the Vice-Chancellors of Universities of Bihar has been pleased to order to declare the summer vacation in the Universities and Colleges from **01.05.2021 (Saturday) to 31.05.2021 (Monday) instead of 01.06.2021 to 30.06.2021** with a condition that if any examination scheduled to be held in the Universities and Colleges of Bihar has not been conducted so far, it shall strictly be concluded within the period from 01.06.2021 to 15.06.2021.

Please issue notification accordingly.

Yours faithfully,
Sd/-
(Raj Kumar Sinha)
Joint Secretary

Memo No.- BSU-01/2013- **664**/GS(I), Dated- **30.04.2021**

Copy forwarded to-

(1) The Principal Secretary, Department of Education, Bihar, Patna.

कोरोना के बढ़ते प्रकोप को लेकर विश्वविद्यालय बंद

जागरण संवाददाता, आरा : कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को लेकर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया है। बंद कब तक रहेगा इसकी तिथि सुनिश्चित नहीं की गई है। इसकी घोषणा फुटाब के अध्यक्ष प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा ने की। जिसका समर्थन सभी शिक्षक व कर्मचारियों ने किया और विश्वविद्यालय और कॉलेज आने से इंकार किया। इसके कारण गुरुवार को पुराने परिसर स्थित मुख्य कार्यालय बंद रहे। सभी विभागों में ताले लटके रहे और सन्नाटा पसरा रहा। महाविद्यालयों में सभी कार्यालय बंद रहे। सूत्रों ने बताया कि सभी कर्मचारियों को अघोषित अवकाश प्रदान किया गया है।

दुखदः मशहूर पत्रकार रोहित सरदाना
अब हमारे बीच नहीं रहे